सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 24 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 24 फरवरी, 2025

मूल्य ₹ 3/-

कभी-कभी जिंदगी आपको ईंट से सिर पर मारेंगी। लेकिन तब भी आपको अपना भरोसा नहीं खोना है।

-स्टीव जॉब्स

भारत ने पाक को चैंपियंस टॉफी... 7 | सरकार बनते ही रेखा पर... 3 | भाजपा सरकार भ्रष्ट और... 2

बिहार दौरे पर मोदी

विपक्ष का प्रहार

» राजद व कांग्रेस ने राजग सरकार पर किया हमला

» लालू बोले- आज बिहार में झूठ और जुमलों की बरसात होगी

» वित्तमंत्रालय की रिपोर्ट को लेकर घिरी मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जैसे-जैसे बिहार में चुनाव करीब आते जा रहे हैं वहां पर सियासी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। महागठबंधन व राजग में वार-पलटवार तेजी से बढ़ गया है। अब पीएम नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर सियासत गरमा गई है। विपक्ष के नेता लगातार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और पीएम मोदी पर हमला बोल रहे हैं।

कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने दौरे पर निशाना साधा है और पीएम मोदी से चार सवाल किए हैं। अपने सवालों से जयराम ने मोदी द्वारा बिहार से किए गए पुराने वादों को याद कराया है। उधर लालू ने कहा कि प्रधानमंत्री आज बिहार आ रहे हैं। इसलिए आज बिहार में झूठ और जुमलों की बरसात होगी। चुनावी वर्ष है इसलिए लोगों को भ्रमित करने के लिए केंद्र की देशभर की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन अब दिखावटी रूप से बिहार से होगा लेकिन बिहार को कुछ नहीं मिलेगा, ना ये देंगे। वहीं वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट को लेकर भी मोदी सरकार घिर गई है।

आज बिहार में फिर से जुमलों का तूफान आएगा : रोहिणी

लालू प्रसाद की बेटी और राजद नेत्री रोहिणी आचार्य ने पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि आज बिहार में फिर से जुमलों का तूफान आएगा। खोखले वादों - झूठे दावों की झड़ी लगेगी। ठगुआ गठबंधन की अगुवाई करने वाले आएंगे और जुबानी गोले दाग कर फिर से बिहार को ठग कर चले जाएंगे। वैसे पूछता है बिहार। कहां विलुप्त हो गया पूर्णिया का वो हवाई अड्डा। इसे चालू बताया गया था। कब पूरा होगा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने का किया गया पुराना वादा।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में सरकार का झूठ उजागर : जयराम रमेश

यूएसएआईडी फंडिंग को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भाजपा के झूठ को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। बता दें कि, वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी एजेंसी वर्तमान में भारत सरकार के सहयोग से सात परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है और उनमें से किसी का भी मतदाता मतदान प्रतिशत से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को भी खारिज किया है और राहुल गांधी के साथ-साथ पार्टी पर भारत को कमजोर करने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने ही प्रधानमंत्री और उनकी झूठ ब्रिगेड, जिसमें उनके चतुर विदेश मंत्री भी शामिल हैं, के झूठ को पूरी तरह से उजागर किया है। वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएसएआईडी वर्तमान में भारत सरकार के सहयोग से लगभग 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर के संयुक्त बजट के साथ सात परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। जयराम रमेश ने कहा, कि इनमें से एक भी परियोजना का मतदान प्रतिशत बढ़ाने से कोई लेना-देना नहीं है। ये सभी केंद्र सरकार के साथ और उसके माध्यम से हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, सात परियोजनाओं के तहत यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) की तरफ से कुल 97 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 825 करोड़ रुपये) का दायित्व बनाया गया है।

फिर से धोखा देने बिहार आ रहे पीएम : तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि वह झूठे वादे कर फिर से धोखा देने बिहार आ रहे हैं। तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि बिहार में चुनाव होने वाले हैं। इस साल बिहार में चुनाव होंगे। मैंने कहा था कि दिल्ली चुनाव के बाद सब लोग बिहार की ओर बढ़ेंगे। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री आ रहे हैं। लेकिन जब वह आते हैं, तो वह झूठे वादे करते हैं, बिहार के लोगों को धोखा देते हैं। किसानों के लिए कुछ नहीं किया गया है। वह कहते थे कि वह किसानों की आय दोगुनी करेंगे। मुद्रास्फीति ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। बिहार को बजट में धोखा दिया गया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार ने एनडीए को 20 साल तक दो-इंजन की सरकार चलाने का मौका दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल से केंद्र में हैं। नीतीश कुमार 20 साल से मुख्यमंत्री हैं। साक्षरता, प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश के मामले में बिहार सबसे नीचे है। किसानों की आय के मामले में भी बिहार सबसे नीचे है। बेरोजगारी, पलायन, गरीबी में बिहार नंबर एक है। बिहार में किसानों की समस्या अन्य राज्यों की समस्या से ज्यादा है। बिहार में किसान मर रहे हैं। इनलोगों ने किसानों के कुछ नहीं किया। इन सब चीजों की इन्हें परवाह नहीं है। इन्हें बस वोट से मतलब है। इन्हें बिहारियों से मतलब नहीं है। बिहार आएंगे तो लिट्टी चोखा खाएंगे। मधुबनी पेंटिंग देखेंगे। 11 साल से आप प्रधानमंत्री हैं लेकिन अब तक बिहार को विशेष पैकेज नहीं दिया है। वह केवल जनता को भ्रमित करने आ रहे हैं।

पीएम मोदी भागलपुर में सभा को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी आज एक दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहे हैं। इस दौरान वह पूर्णिया एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे और फिर भागलपुर पहुंचकर किसान सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद यह उनका पहला बिहार दौरा होगा, जिसे लेकर एनडीए कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। भागलपुर में कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत करीब 22 हजार करोड़ रुपये की राशि 9.8 करोड़ किसानों के खाते में भेजी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री के बयान से तिलमिलाई सपा

यूपी के बजट के बाद विधानसभा में आज होनी थी चर्चा

» ब्रजेश पाठक की टिप्पणी पर हुआ हंगामा, सदन स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही चल रही है। बजट पर हो रही चर्चा के बीच ब्रजेश पाठक की एक टिप्पणी पर हंगामा हो गया। उन्होंने मुलायम सिंह यादव के द्वारा अतीत पर की गई एक टिप्पणी का उल्लेख सदन में किया। इस बात से नाराज सदस्यों ने सदन में हंगामा किया।

प्रश्न काल के दौरान सपा के सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे। सदन में चल रहे हंगामे और नारेबाजी के बीच विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दोपहर दो बजे तक सदन को स्थगित कर दिया। दो बजे के बाद चर्चा में सीएम योगी जुड़ सकते हैं।

माफी मांगने पर अड़े सपा सदस्य

सपा सदस्यों द्वारा लगातार वेल पर आकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से माफी मांगने की बात होती रही। विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा कई बार कहे जाने के बाद भी सदस्य अपनी जगह पर वापस नहीं गए। वह लगातार माफी मांगने की बात करते रहे।

राजस्थान में फिर फोन टैपिंग पर मचा बवाल

» कृषि मंत्री ने लगाया अपनी ही सरकार पर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने फोन की टैपिंग का दावा कर रहे हैं। वीडियो में डॉ. मीणा कहते नजर आ रहे हैं। मैं सही कह रहा हूं, मेरा फोन लगातार टेप हो रहा है। उस अधिकारी को सुधारो, मेरे पीछे सीआईडी लगी हुई है। मैं किसी का अपहरण तो नहीं कर रहा, न ही मादक पदार्थ ला रहा हूं और न ही स्मैक की तस्करी कर रहा हूं।

दरअसल, यह वीडियो सांचौर में आयोजित एक कार्यक्रम का बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं हुई है। डॉ. मीणा के इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए निशाना साधा है, जबकि प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। मंत्री के इस आरोप के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या वाकई उनके फोन की टैपिंग हो रही है, या यह किसी राजनीतिक विवाद का हिस्सा है? फिलहाल, सरकार और प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

भाजपा सरकार भ्रष्ट और बेईमान सरकार : अखिलेश

बोले- सड़कों के गड्ढों को भरने के नाम पर सब रुपया अपनी जेब में रख लिया

हयात अब्बास/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख ने एकबार फिर भाजपा पर हमला बोला है। अखिलेश ने कहा– भाजपा की डबल इंजन की सरकार डबल ब्लंडर सरकार है। सरकार ने महाकुंभ के आयोजन के पूरी तरह से फेल हुई है, इसमें महा घपला भी किया है।

मां गंगा की सफाई का दावा करने वाले लोग पूरा बजट साफ कर गये,सड़कों के गड्ढ़ों को भरने के नाम पर सब रूपया अपनी जेब में रख लिया। भाजपा सरकार भ्रष्ट और बेईमान सरकार है। अखिलेश यादव था ने कहा कि यह लड़ाई बड़ी है। भाजपा पीडीए की उपेक्षा करती है। भाजपा सरकार ने पिछले नौ बजट में पीडीए को कुछ नहीं दिया है। बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से पीडीए को हक और सम्मान दिया है। आरक्षण दिया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश स्थित कानपुर को लेकर अपना खास प्लान शेयर किया है। सपा चीफ ने अपना प्लान कानपुर दौरे के अगले दिन शेयर किया. उन्होंने कहा कि कानपुर के भीतर वाणिज्यिक राजधानी बनने की क्षमताएं हैं। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा– कानपुर को 'कामपुर' बनाना है। कानपुर के लोगों में गुणों का इतिहास बहुत पुराना है। सरकार को तो सिर्फ वापस वहीं माहौल बनाना है ,कानपुर में कर्मिशयल राजधानी बनने की सारी क्षमताएं है, ये संकल्प उठाना है कि कानपुर में गंगा सिर्फ साफ आए ही नहीं, साफ जाए भी।

भाजपा के लोग बताएं कि मां गंगा को किससे और कैसे धोएंगे

अखिलेश यादव ने कहा कि मैं कन्नौज में एक मंदिर में गया था, मेरे वहां से जाने के बाद भाजपा के लोगों ने मंदिर को गंगा जल से धोया था। मुख्यमंत्री आवास में कई मुख्यमंत्री रहे। आये, गए लेकिन किसी ने उसे गंगा जल से नहीं धुलवाया था लेकिन मेरे मुख्यमंत्री आवास छोड़ने के बाद भाजपा के लोगों ने मुख्यमंत्री आवास को गंगा जल से धुलवाया। महाकुंभ में मैने गंगा जी में स्नान कर लिए भाजपा के लोग बताएं कि मां गंगा को किससे और कैसे धोएंगे।

पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को कुचल रही सरकार : पांडेय

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि कुंभ में अश्लीलता परोसने व फैलाने वाले लोगों पर सरकार को कठोर कदम उठाना चाहिए। सोशल मीडिया पर बहुत सी महिलाओं का फोटो और वीडियो वायरल हो रहा है। उर्दू शब्द को लेकर सूबे के मुखिया ने गलत

बयान दिया है जिसको लेकर समाजवादी पार्टी का विधायक दल सदन में भाजपा सरकार को घेर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को कुचल रही है। 2027 में समाजवादी की सरकार आएगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पूर्व गौरा विधानसभा में आगमन पर सपा नेता हफीज मलिक व अब्दुल कलाम मलिक ने कार्यकर्ताओं के साथ किया स्वागत। इस दौरान सपा नेता अब्दुल अजीज, बब्बू, डॉ. अरशद, फिरोज खान, आसिफ खान, पुजारी पांडेय, आदित्य यादव, सईदुर्रहमान, चिंटू खान सहित अन्य मौजूद रहे।

कांग्रेस और सहयोगी दलों के साथ ही चुनाव में उतरेगी सपा

समाजवादी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के तहत ही लड़ेगी। कांग्रेस और अन्य सहयोगी दलों के साथ कदम आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है। हालांकि, इस बार विधानसभा चुनाव में सहयोगी दलों के लिए सपा अधिक सीटें नहीं देगी। विभिन्न राज्यों में इंडिया गठबंधन के समाप्त होने का एलान हो रहा है। राजद, नेशनल कॉन्फ्रेंस और तृणमूल कांग्रेस के नेता गाहे–बगाहे इस तरह के बयान देते रहे हैं। लेकिन, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभी तक इस तरह के बयानों से न सिर्फ खुद को अलग रखा है, बल्कि यह भी कहा है कि आने वाले समय में इंडिया गठबंधन और मजबूत दिखेगा।हालांकि, इंडिया गठबंधन को लेकर कांग्रेस की उदासीनता कुछ सपा नेता भी ठीक नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि गठबंधन की औपचारिक बैठकों में भी कांग्रेस के रुचि नहीं है। दिल्ली में जो समन्वय समिति बनाई गई थी, वो भी निष्क्रिय है। फिर भी यूपी के आगामी चुनाव को देखते हुए गठबंधन बरकरार रखना ही सही रणनीति होगी। इससे भाजपा विरोधी मतों के विभाजन को रोका जा सकेगा। साथ ही जनता में यह संदेश भी दिया जा सकेगा कि विपक्षी गठबंधन भी मजबूत स्थिति में है। लोकसभा चुनाव में गठबंधन ने पहले से ज्यादा सीटें जीतकर भाजपा सरकार की ओर से लिए जाने वाले तमाम निर्णयों को थाम दिया है। सपा सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस एक के बाद एक राज्यों के चुनाव हार गई है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के अनुभव बताते हैं कि राज्यों में जीत पाना कांग्रेस के लिए दूर की कौड़ी है। इसलिए यूपी में भी पार्टी अधिकांश सीटों पर खुद ही लड़ेगी। सहयोगी दलों के लिए बमुश्किल 40–45 सीटें ही छोड़ सकती है।

विस अध्यक्ष मार्शल लॉ लागू कर रहे हैं: महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका सदन के सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना है, ना कि सेंसर (नियंत्रक) की तरह काम करना है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष पर एक तरह का मार्शल लॉ लागू करने का आरोप लगाया। उनकी यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर द्वारा बजट सत्र से पहले सदन के कामकाज के नोटिस के प्रचार को गंभीरता से लेने के बाद आई है।

विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से विशेषाधिकार हनन से दूर रहने को कहा है।जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने राथर पर संवैधानिक पद पर रहते हुए एक तरह का मार्शल लॉ लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राथर साहब भले ही विधाई कार्यवाही की पवित्रता को बनाए रखने के बारे में चिंतित हों, लेकिन अध्यक्ष के तौर पर उनकी प्राथमिक भूमिका सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि सेंसर की तरह काम करना है। उन्होंने कहा कि विधाई गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता और जन जागरूकता को संसदीय प्रथाओं के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, इसके विपरीत, नोटिस, प्रश्नों और प्रस्तावों के बारे में जनता को पहले से सूचित करना जवाबदेही को बढ़ावा देता है। हाल ही में वक्फ विधेयक जैसे कई महत्वपूर्ण संसदीय विधेयकों पर महीनों तक सार्वजनिक रूप से बहस होती रही। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि संवैधानिक पद पर रहते हुए राथर साहब एक तरह का मार्शल लॉ लागू कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में फिर तेज हुई सियासी हलचल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुलाकात ने राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है। मुंबई के अंधेरी इलाके में एक शादी समारोह के दौरान दोनों नेता आमने–सामने आए और बातचीत की।

यह मुलाकात आगामी नगर निगम चुनावों से पहले गठबंधन की संभावनाओं को लेकर चर्चा का विषय बन गई है। हालांकि, अभी तक किसी भी पार्टी ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की मुलाकात पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति में इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। राज ठाकरे ने 2005 में शिवसेना से अलग होकर 2006 में अपनी नई पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बनाई थी। हालांकि, पिछले साल नवंबर महीने में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) को 20 सीटें मिली थीं, जबकि मनसे को एक भी सीट नहीं मिली थी। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच लंबे समय से राजनीतिक दूरियां बनी हुई हैं।

कर्ज में डूबे एमपी में पीएम का स्वागत : सिंघार

नेता प्रतिपक्ष ने मांगा प्रधानमंत्री से मिलने का समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राजधानी भोपाल में 24 और 25 फरवरी को होने वाले जीआई समिट में शामिल होने देश के प्रधान मंत्री नारेन्द्र मोदी भोपाल पहुंच चुके हैं। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार प्रधान मंत्री से मिलने के लिए समय मांगा था लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। जबकि प्रधान मंत्री बीजेपी के विधायकों और संसदों के साथ बैठक कर रहे हैं। इस नेता प्रतिपक्ष ने नाराजगी व्यक्त की है।

उन्होने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री जी,क्या आप भाजपा के नेताओं से ही मिलते है! जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों से नहीं मिलते? उन्होने लिखा कि कर्ज में डूबे मध्य प्रदेश में आप का स्वागत है। इधर कांग्रेस के नेता अग–अलग प्रयाग राज पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, विधायक सचिन यादव के साथ गंगा स्नान किया। वहीं पीसीसी चीफ अन्य नेताओं के साथ प्रयागराज पहुंचे।

मोदी प्रदेश की जनता के मन की बात भी सुनें

नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि जनता ने आपके मन की बात तो बहुत सुनी, पर आप प्रदेश की जनता की मन की बात क्यों नहीं सुन रहे है! हम आपसे मिलकर प्रदेश की जनता की जन समस्याओं एवं लाखों करोड़ों के परिवहन घोटाले को आपके सामने रखना चाहते है। क्या आप, आपकी सरकार के मंत्री गोविंद राजपूत एवं घोटाले में संलिप्त भाजपा नेताओं के बारे में बात करेंगे? प्रदेश में आरटीओ के एक पूर्व कांस्टेबल के पास मिले कुबेर के खजाने से आपके मंत्रियों के क्या संबंध है! ये आपको भी जानना चाहिए। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को समय ना देने पर घेरा,क्या आप, आपकी सरकार के मंत्री गोविंद राजपूत एवं घोटाले में संलिप्त भाजपा नेताओं के बारे में बात करेंगे?

कर्ज से विकास नहीं होता

मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रधानमंत्री के दौरे पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिख कि प्रधानमंत्री जी कर्ज में डूबे मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है !!! आपको प्रदेश सरकार ने स्बकका जो चमकदार चेहरा दिखाया जा रहा है, वो सच नहीं है! स्बक हजारों-करोड़ों के कर्ज में फंसा है और कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था ठप पड़ी है, चारों तरफ भ्रष्टाचार और लूटखसोट का माहौल है, जनता त्रस्त हो चुकी है! क्करूजी आपको जो दिखाया जा रहा, उस पर भरोसा मत कीजिए। क्योंकि,सच्चाई कुछ और ही है! यदि आप स्बकको कोई सौगात देना ही चाहते हैं, तो इसे कर्ज से उबारिए! कर्ज से विकास नहीं होता।

हाईकोर्ट ने बसपा सुप्रीमो मायावती को भेजा नोटिस

बरजिंदर सिंह हुसैनपुर ने दायर की थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नवांशहर विधानसभा क्षेत्र चुनाव को चुनौती देने वाली बरजिंदर सिंह हुसैनपुर की याचिका पर पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट ने बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो कुमारी मायावती को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

याची ने बताया कि उसने 1 फरवरी, 2022 को रिटर्निंग ऑफिसर नवांशहर के पास बसपा उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया गया था। उनसे पहले मौजूदा विधायक डॉ. नछत्तर पाल ने भी बसपा से ही अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। नियमों के अनुसार यदि एक पार्टी से दो उम्मीदवारों को टिकट मिलती हैं, तो दूसरे टिकट वाले उम्मीदवार का नामांकन पत्र स्वीकृत किया जा सकता है और पहले उम्मीदवार का टिकट अपने आप रद्द माना जाता है। बहुजन समाज पार्टी ने अपनी पार्टी में विद्रोह के चलते हुसैनपुर पर नामांकन वापसी का दबाव बनाया था। इन्कार करने पर उसी शाम उनके खिलाफ एक आपराधिक मामला भी दर्ज करवा दिया गया था। अदालत ने दर्ज किए गए मामले से न केवल उन्हें बरी किया गया, बल्कि इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए थे।

सरकार बनते ही रेखा पर 'आप' का वार

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को आतिशी ने लिखी चिट्ठी

» पीएम मोदी के किए वादे पूरे किए जाएं : आतिशी

» आप विधायक दल ने मिलने की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा सरकार बनते ही सीएम रेखा गुप्ता विपक्ष के निशाने पर आने लगी हैं। आप व पूर्व सीएम आतिशी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जो प्रधानमंत्री ने वादे किए है वो वादे पूरे किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा जिस तरह की चर्चाएं हो रहीं उससे तो ऐसा लगता जनता को अभी से धोखे मिलने लगे हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिला समृद्धि योजना को लेकर कहा कि महिलाओं को एक या दो महीने धनराशि देकर योजना को बंद नहीं किया जाना है।

ये स्थायी रूप से लागू हो इसके लिए व्यवस्था बनाई जा रही है। इन सबके बीच शनिवार को दिल्ली की पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने मुख्यमंत्री के नाम चिट्ठी लिखी है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह देने की योजना के संबंध में 23 फरवरी को आप विधायक दल से मिलने का समय मांगा है। आतिशी ने अपने पत्र में लिखा कि सबसे पहले, आपको दिल्ली के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालने पर हार्दिक शुभकामनाएं। इसी विषय को लेकर आम आदमी पार्टी का विधायक दल कल 23 फरवरी 2025 को आपसे मिलकर चर्चा करना चाहता है। मैं आपसे दिल्ली की लाखों महिलाओं की ओर से विनम्र निवेदन करती हूं कि आप अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर हमें मिलने का अवसर दें, ताकि हम इस योजना पर ठोस कार्यवाही के लिए अपनी बात आपके समक्ष रख सकें।

खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है दिल्ली की जनता

भारतीय जनता पार्टी के सर्वोच्च नेता एवं देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने चुनाव प्रचार के दौरान 31 जनवरी 2025 को द्वारका में आयोजित एक रैली में दिल्ली की माताओं-बहनों से यह वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में उनके लिए 2500 प्रतिमाह की योजना पास की जाएगी। उन्होंने कहा था- यह मोदी की गारंटी है। 20 फरवरी को आप की सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई, परंतु महिलाओं के लिए 2500 की योजना पास नहीं हुई। दिल्ली की माताओं-बहनों ने मोदी जी की गारंटी पर विश्वास किया था और अब वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं।

अरविंद सिंह लवली होंगे दिल्ली विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर

भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता, जो 8वीं दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष बनने की संभावना है, ने कहा कि उनकी पार्टी के सहयोगी अरविंदर सिंह लवली सदन के प्रोटेम स्पीकर होंगे। प्रोटेम स्पीकर एक अस्थायी अध्यक्ष होता है जो सीमित अवधि के लिए और पूर्णकालिक अध्यक्ष के चुनाव तक सदन की कार्यवाही संचालित करता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में सरकार बनाई। रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। प्रतिष्ठित रामलीला मैदान में आयोजित इस समारोह में छह मंत्रियों ने भी शपथ ली।

अरविंद केजरीवाल अच्छा काम कर रहे थे : अन्ना हजारे

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक मुख्यमंत्री के तौर पर अच्छा काम कर रहे थे, लेकिन उन्होंने शराब की दुकानें खोलनी शुरू कर दीं और इसके परिणामस्वरूप उन्हें लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। रेखा गुप्ता के दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनने पर हजारे ने कहा कि यह राष्ट्रीय राजधानी के लिए गर्व की बात है कि एक महिला शीर्ष कुर्सी पर बैठी है।उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि लोगों ने गुप्ता को उनके शुद्ध विचारों और कार्यों के कारण वोट दिया। 80 वर्षीय कार्यकर्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर केजरीवाल को समाज के सामने एक उदाहरण पेश करना चाहिए था, लेकिन वे भटक गए। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को आम आदमी पार्टी के जन्म का श्रेय दिया जाता है।हजारे ने आप सरकार की विवादास्पद आबकारी नीति का जिक्र करते हुए संवाददाताओं से कहा, पहले के मुख्यमंत्री (केजरीवाल) अच्छा काम कर रहे थे और तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा क्योंकि वह अच्छा काम कर रहे थे। लेकिन फिर, उन्होंने धीरे-धीरे शराब की दुकानें खोलनी शुरू कर दीं और लाइसेंस जारी करने लगे। तब मैं परेशान हो गया।

पवार व थरूर को लेकर वार-पलटवार

पीएम मोदी और शरद पवार की जुगलबंदी पर चर्चा

» महाराष्ट्र व केरल की सियासी सुर्खियां छाईं

» शशि थरूर के बयान से कांग्रेस में घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। देश की दोनों बड़ी पार्टियों भाजपा व कांग्रेस में बड़े नेताओं के हावभाव को लेकर बवाल मचा हुआ है। उसी क्रम में महाराष्ट्र की सियासत कुछ न कुछ रोज गुल खिलाती रहती है। कभी महायुति सरकार में सीएम फडणवीस व शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के बीच कोल्डवार की खबरें आती हैं तो कभी एनसीपी व शिवेसना के दोनों गुटों के नेताओं के बयान सुर्खियों में बने रहते हैं।

ताजा मामला अब पीएम मोदी व एनसीपी एसपी के प्रमुख शरद पवार के बीच आत्मीयता लेकर सुर्खियों में। वहीं कांग्रेस नेता शशि थरूर के बयान से भी सियासी पारा चढ़ा हुआ है। एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार के बीच शानदार जुगलबंदी देखने को मिली। इस दौरान दोनों के बीच काफी देर तक अहम बातचीत हुई। पीएम मोदी ने सम्मानपूर्वक शरद पवार को कुर्सी पर बैठाया। उन्होंने पवार के लिए कुर्सी पीछे की और फिर उन्हें आराम से उस पर विराजमान किया। इसके बाद उन्होंने बोतल से पानी निकालकर शरद पवार के सामने रखे गिलास को भरा। इसे देखकर वहां मौजूद गणमान्य अतिथियों ने जमकर तालियां बजाईं। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार को सीट पर बैठने में मदद करने और उन्हें एक गिलास पानी देकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने पर शुक्रवार को नई दिल्ली में 98वें अखिल भारतीय मराठी सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित दर्शकों ने तालियां बजाईं।

मराठी में शूरता और वीरता भी : मोदी

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मराठी एक सम्पूर्ण भाषा है। मराठी में शूरता भी है, वीरता भी है। मराठी में सौंदर्य है, संवेदना भी है, समानता भी है, समरसता भी है। इसमें अध्यात्म के स्वर भी हैं और आधुनिकता की लहर भी है। मराठी में भक्ति भी है, शक्ति भी है और युक्ति भी है।

थरूर ने राहुल गांधी से पूछा- पार्टी में मेरा क्या रोल

थरूर ने राहुल से पूछा था कि पार्टी में उन्हें क्या भूमिका निभानी है। कुछ दिन पहले दिल्ली में चर्चा के दौरान थरूर ने पार्टी में दरकिनार किये जाने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया था। यह पता चला है कि वह चर्चा से नाखुश हैं क्योंकि राहुल गांधी कोई प्रतिबद्धता बनाने के लिए तैयार नहीं थे। भले ही शशि थरूर इंटरनेट पर अपने अंग्रेजी शब्दों से मशहूर हैं, लेकिन कांग्रेस के भीतर उनकी स्थिति संघर्ष भरी है। कहा ये तक जा रहा है कि राहुल गांधी ने उनकी किसी भी शिकायत या सुझाव पर ध्यान देने से इनकार कर दिया है। नवीनतम रिपोर्टों में कहा गया है कि केरल में पार्टी नेताओं के बीच थरूर के खिलाफ प्रतिरोध मजबूत हो गया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि एआईसीसी अब थरूर के साथ नरम रुख अपनाने की इच्छुक नहीं है। थरूर ने राहुल से पूछा था कि पार्टी में उन्हें क्या भूमिका निभानी है। कुछ दिन पहले दिल्ली में चर्चा के दौरान थरूर ने पार्टी में दरकिनार किये जाने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया था। यह पता चला है कि वह चर्चा से नाखुश हैं क्योंकि राहुल गांधी कोई प्रतिबद्धता बनाने के लिए तैयार नहीं थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात जैसे मुद्दों पर पार्टी के रुख से भटकने को लेकर कांग्रेस थरूर से नाराज थी। पता चला है कि थरूर पार्टी लाइन से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उन्हें उचित पहचान नहीं मिल रही है। समझा जाता है कि राहुल से मुलाकात के दौरान थरूर ने अपने द्वारा गठित ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के प्रभार से हटाए जाने के तरीके पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। अपमानित किये जाने की अफवाहों के बीच, शशि थरूर ने एक्स पर एक गुप्त पोस्ट साझा किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कांग्रेस के अधिकांश वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा थरूर को दी गई प्रमुखता से नाखुश हैं। उनका कहना है कि पार्टी ने चार बार के सांसद को काफी छूट दी है। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता के हवाले से कहा, राहुल गांधी द्वारा उनसे बात करने के बाद भी थरूर ने अपनी स्थिति में सुधार नहीं किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

दलित उद्यमियों को हर संभव बढ़ाना होगा

अभी ओडिसा के गरीब दलित परिवार की बेटी और 3 साल की उम्र में पोलियो से ग्रस्त बसंती राणा का एक छोटा परिधान व्यवसाय शुरू करने का सपना शुरू से ही कठिनाइयों से भरा रहा kसंघर्षों के बीच हाई स्कूल और सिलाई का व्यावसायिक कोर्स पूरा करने के बाद जब उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू करने की कोशिश की तो किसी भी बैंक ने उन्हें वित्तीय साक्षरता, व्यावसायिक नेटवर्क की कमी और कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए ऋण नहीं दिया।

गत दिनों नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने गृह राज्य उप्र के संसदीय क्षेत्र रायबरली की यात्रा पर थे। दो दिनों के दौरे में उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। पर सबसे ज्यादा उन्होंने दलितों की वर्तमान स्थिती पर चर्चा की। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज भी व्यापार के मामले में वे बहुत पीछे हैं। उन्होंने कहा उनकी मदद करके आगे लाने की कोशिश करनी होगी। कांग्रेस सांसद की चिंता वाजिब है। वैसे भी कई खबरें ऐसी आती रहतीं हैं कि दलित बिजनेस मैन सरकारी मदद न मिलने से परेशान होकर या तो गलत कदम उठा लेते हैं या कोई और रास्ता अपना लेते हैं। अभी ओडिसा के गरीब दलित परिवार की बेटी और 3 साल की उम्र में पोलियो से ग्रस्त बसंती राणा का एक छोटा परिधान व्यवसाय शुरू करने का सपना शुरू से ही कठिनाइयों से भरा रहा।

संघर्षों के बीच हाई स्कूल और सिलाई का व्यावसायिक कोर्स पूरा करने के बाद जब उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू करने की कोशिश की तो किसी भी बैंक ने उन्हें वित्तीय साक्षरता, व्यावसायिक नेटवर्क की कमी और कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए ऋण नहीं दिया। बाद में बसंती को एक गैर-सरकारी संगठन से ऐसा समर्थन मिला, जिसने उन्हें सफलता की राह दिखा दी। बसंती ने एक प्रशिक्षण केंद्र-सह-सिलाई बुटिक स्थापित किया और 1200 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया, जिनमें से 200 ने अपनी स्वयं की इकाइयां शुरू कीं। ग्रामीण उद्यमी के रूप में बसंती को 2019 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति से विशेष पुरस्कार भी मिला। दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने ऐसी सफलताओं के उदाहरण सामने रखे हैं। इनमें 150 उद्यमी ऐसे हैं, जिन्होंने 100 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार किया है और कुछ का कारोबार तो 500 करोड़ से अधिक का है। आगे की चुनौती उन लाखों युवा दलित उद्यमियों की आकांक्षाओं को दिशा देने की है, जो अभी भी गरीबी में जीवनयापन कर रहे हैं। ऐसे ही कल्पना सरोज का जन्म महाराष्ट्र के विदर्भ में बेहद गरीब परिवार हुआ। इतना ही नहीं दलित परिवार से भी आती है। उन्हें सामाजिक और आर्थिक दोनों स्तर पर काफी संघर्ष करना पड़ा। परिवार की माली हालत ऐसी थी कि दो वक्त की रोटी के लिए काफी जद्दोजहद करना पड़ता था। कल्पना सरोज तीन बहनें थी और उनके दो भाई थे। कल्पना सरोज दलित परिवार से थीं। इसकी वजह उन्हें छुआछूत का भी सामना करना पड़ता था। समाज और स्कूल में उन्हें भेदभाव झेलना पड़ा। दलित होने की वजह से बाकी बच्चे के माता-पिता उनसे बात करने तक की मनाही करते थे। स्कूल के शिक्षक उन्हें दूसरे छात्रों से अलग बैठाते थे।सरकारों को चाहिए कि कोई ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे कि ऐसे उद्यमी आगे बढ़ें और अपना जीवन यापन अच्छी तरह से कर सकें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तमिलनाडु में हिंदी-विरोध का नया दौर

प्रमोद जोशी

हिंदी की पढ़ाई को लेकर तमिलनाडु में एक बार फिर से तलवारें खिंचती दिखाई पड़ रही हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को एक विशाल विरोध-प्रदर्शन में चेतावनी दी कि हिंदी थोपने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ एक और विद्रोह जन्म ले सकता है। उनके पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यों पर शिक्षा-निधि के मार्फत दबाव बनाने का आरोप लगाया था। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में द्रमुक ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) और तीन-भाषा फॉर्मूले की आलोचना करके माहौल को गर्मा दिया है। तमिलनाडु में भाषा केवल शिक्षा या संस्कृति का विषय नहीं है। द्रविड़-राजनीति ने इसके सहारे ही सफलता हासिल की है। द्रविड़ आंदोलन, जिसने डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को जन्म दिया, भाषाई आत्मनिर्णय के सिद्धांत पर आधारित था।

राष्ट्रीय आंदोलन के कारण इस राज्य में भी कांग्रेस, मुख्यधारा की पार्टी थी, पर भाषा पर केंद्रित द्रविड़ आंदोलन ने राज्य से कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया और आज तमिलनाडु में कांग्रेस द्रमुक के सहारे है। इस राज्य में भाषा-विवाद लगातार उठते रहते हैं। पिछले साल संसदीय शीत-सत्र में 5 दिसंबर को विरोधी दलों के सदस्यों ने 'भारतीय न्याय संहिता' के हिंदी और संस्कृत नामों के विरोध में सरकार पर हमला बोला। उन्होंने सरकार पर 'हिंदी इंपोज़ीशन' का आरोप लगाया। एक दशक पहले तक ऐसे आरोप आमतौर पर द्रमुक-अद्रमुक और दक्षिण भारतीय सदस्य लगाते थे। अब ऐसे आरोप लगाने वालों में कांग्रेस पार्टी भी शामिल है। अप्रैल, 2022 में गृहमंत्री अमित शाह ने संसदीय राजभाषा समिति की 37वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हिंदी को पूरे देश में स्थानीय भाषाओं के बजाय अंग्रेजी के विकल्प के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है कि सरकार का कामकाज हिंदी में हो। उनके इस बयान के पीछे 'हिंदी-विरोधियों' को साम्राज्यवाद की गंध आई।

शाह ने कहा कि हिंदी को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने के प्रयास होने चाहिए। जब विभिन्न राज्यों के नागरिक संवाद करते हैं, तो 'यह भारत की भाषा में होना चाहिए।' उनके इस वक्तव्य के अलावा, नई शिक्षा-नीति के अंतर्गत देशभर के स्कूलों में कक्षा 10 तक परोक्ष रूप में हिंदी को अनिवार्य

बनाने की केंद्र सरकार की योजना पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। 10 अप्रैल को, तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम ने केंद्र सरकार को हिंदी थोपने के किसी भी नए प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी और लोगों से इसका विरोध करने का आह्वान किया। पार्टी के मुखपत्र मुरासोली में लिखा गया, यह कदम देश की अखंडता को नष्ट कर देगा। भारतीय जनता पार्टी को दक्षिण में प्रवेश तो मिल गया है, पर तमिलनाडु में वह अभी हाशिए पर है। क्या इस राज्य में हिंदी-समर्थक पार्टी के सफल होने की कोई गुंजाइश है? राज्य में हिंदी की पढ़ाई को उत्सुक लोग भी हैं, जिन्हें लगता है कि रोजगार के लिए हिंदी का ज्ञान भी जरूरी है। भाजपा कार्यकर्ता अब मार्च से मई तक एक सर्वेक्षण करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें वे तीन-भाषा नीति पर तमिलनाडु भर के परिवारों से बातचीत करेंगे और अपने निष्कर्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपेंगे। राज्य सरकार हिंदी के पठन-पाठन के दरवाज़े बंद रखना चाहती है। उसे लगता है कि एक बार दरवाज़े खुले तो राजनीति का रंग-रूप बदल जाएगा। बहरहाल तमिल-बगावत के स्वर एनईपी के तहत तीन-भाषा सूत्र से जुड़ी शर्तों और समग्र-शिक्षा कार्यक्रम लिए केंद्रीय धन जारी करने से जुड़े मतभेदों के कारण सुनाई पड़े हैं। एनईपी के विरोधियों का तर्क है कि यह नीति परोक्ष रूप से क्षेत्रीय भाषाओं की तुलना में हिंदी और संस्कृत को बढ़ावा देती है। केंद्र सरकार ने राज्य को 2,152 करोड़ रुपयों का आवंटन इस आधार पर रोक रखा है, क्योंकि उसने 'पीएम श्री स्कूलों' और एनईपी को स्वीकार नहीं किया है।

डीएमके और उसके सहयोगी दलों के चेन्नई में आयोजित विरोध प्रदर्शन में उदयनिधि ने कहा, हम न तो भीख मांग रहे हैं और न आपकी निजी संपत्ति। यह हमारा वैध अधिकार है। संविधान का कोई भी अनुच्छेद तीन-भाषा की बात नहीं करता है। तमिलनाडु इस फॉर्मूले को कभी स्वीकार नहीं करेगा। राज्य में हिंदी के प्रवेश से तमिल का विलोपन हो जाएगा जैसा राजस्थानी, भोजपुरी और उत्तर भारत की अन्य भाषाओं के साथ हुआ है। हाल में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि नई शिक्षा-नीति के अनुपालन का फंड जारी करने में तीन-भाषा सूत्र लागू करने की शर्त होगी। जब तक तमिलनाडु एनईपी को पूरी तरह से लागू नहीं करेगा, तब तक समग्र शिक्षा निधि जारी नहीं की जाएगी।

गाँव के साप्ताहिक बाजार : एक अनोखा अनुभव एक अनूठी दुनिया

एस.एम. हैदर रिजवी

इस भौतिकवादी दुनिया में, जहां भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए सबमें होड़ मची हुई है, हमें थोड़ा ठहरकर, अपने आसपास के निर्धन, वंचित, उपेक्षित, और निराश्रितजनों के बारे में सोचना चाहिए और उन तक पहुँचने का प्रयास करना चाहिए जो दुखी, और हाशिए पर हैं।

शहर की इस भागदौड़ के जीवन से कुछ समय निकाल कर, ग्रामीण परिवेश में अपना समय अपने मित्रों एवं सीधे सादे ग्रामीणों के साथ संवाद करना एवं तराई के ग्रामों का हरा भरा एवं प्रदूषण से मुक्त वातावरण मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है एवं अब मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय अध्याय बन चुका है ।

मैं प्राय: अपने सप्ताहांत जनपद खीरी की निघासन और पलिया तहसील के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में व्यतीत हूँ, जहाँ अपने साथी ग्रामीणों से मिलकर, उनसे संवाद करके और उनकी छोटी छोटी समस्याओं के निदान का प्रयास कर अपार आनंद के अनुभूति करता हूँ। लखीमपुर खीरी जिले के ये क्षेत्र आज भी विकास की बयार से कोसों दूर प्राकृतिक सुन्दरता, रमणीकता संजोये, पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करने में सफल हैं । शहरी जीवन की भागदौड़ और उससे सम्बंधित व्याकुलताओं से राहत पाने के लिए यह क्षेत्र वास्तव में एक आदर्श आश्रय प्रदान करता है।

तथापि, ग्रामीण जीवन पूरी तरह सहज नहीं है। इस क्षेत्र के ग्रामवासी लगातार अनेकों चुनोतियों का सामना करते हैं, जो उनके पहले से ही संघर्षपूर्ण जीवन को और भी विकट बना देती हैं। इन क्षेत्रों के ग्रामीणजनों की दिनचर्या संघर्षों से भरी होती है- जलाऊ लकड़ी एकत्र करने से लेकर, साप्ताहिक बाजारों में अपनी उपज बेचने और अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन जुटाने तक, परन्तु इन कठिनाइयों के बावजूद, ग्रामीणों का जीवट और जिजीविषा प्रशंसनीय है। शहरी जीवन की असंख्य सुविधाओं के बावजूद, निघासन के साप्ताहिक बाजार ग्रामीणों के लिए एक अनूठे आकर्षण का केंद्र हैं। यहां का वातावरण शहरी मॉल की एकरसता से कहीं अधिक जीवंत और वास्तविक लगता है। स्थानीय बाजारों में मिलने वाली उपज ताजगी और प्राकृतिक स्वाद का प्रमाण है- नींबू, पालक, धनिया, कद्दू, बैगन, मटर, शकरकंद और मूली जैसी सब्जियाँ यहाँ के अपने खेतों की उपज होटी हैं, जिनमें प्रकृति की मनोरम पवित्रता झलकती है, लेकिन केवल उपज ही नहीं, बल्कि इन बाजार का समग्र माहौल- लोगों का मिलना-जुलना, परस्पर संवाद, मोल भाव, चूरा-पट्टी, रामदाने और मूंगफली की गजक, और इनसे जुड़े ग्रामीण जीवन के सरल सुख-इन्हें अप्रतिम बनाते हैं।

हाल ही में, बौधिया कलां गाँव से लगभग 5 किलोमीटर दूर, दुबहा के साप्ताहिक बाजार में, मेरी भेंट तीन बच्चियों से हुई जिनकी आयु 6 से आठ वर्ष के बीच होगी। वे ताजे कटे बथुआ साग के ढेर बना कर बेच रहे थे, जिन्हें मात्र 5 रुपये प्रति ढेर के हिसाब से बेचा जा रहा था। उनकी मासूमियत और मेहनत देखकर मेरा मन प्रसन्न हो उठा, और मैंने उनके पूरे 10 गुच्छों का स्टॉक खरीद लिया।

जब मैंने उनसे पूछा कि वे अपनी कमाई का क्या करेंगे, तो उनकी आँखों में व्यावहारिकता की एक गहरी चमक थी। उन्होंने बिना झिझके कहा, हम त्याल खरीदेंगे- यानी 50 रुपये में वे खाना पकाने का तेल खरीदेंगी, जो उनके परिवार का दो दिन तक भोजन बनाने में सहायक होगा। उनकी यह सहज लेकिन सटीक प्रतिक्रिया जीवन के उस अनिवार्य संघर्ष को दर्शा रही थी, जिससे वे और उनके परिवार रोजाना जूझते थे, जिसको हमारे कान्वेंट स्कूलों में पढ़ने वाले और एसी कार बढ़िया टिफिन ले कर स्कूल जाने वाले बच्चे समझ भी नहीं सकेंगे। ये तीनों बच्चे स्कूल की चौखट से कोसों दूर थे। उनकी बातचीत से स्पष्ट था कि शिक्षा उनके लिए एक दूर का सपना बन चुकी थी। पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ उनके कोमल कंधों पर था, और इसी मजबूरी ने उन्हें कम उम्र में ही उद्यमशील बना दिया था। इसी बाजार में एक चूड़ी वाले को देख कर अनायास ही मेरा मन उसकी मदद करने को हुआ तो मैंने तुरंत इन्हें बच्चियों को बुलाकर इस छोटी सी बिसाती की दुकान से उन तीनों को चूड़ियां भेंट कीं। पहले तो तीनों बच्चियों ने मना किया पर मेरे और चूड़ी वाले के अनुरोध पर तीनों ने दो दो पैकेट (2 दर्जन) चूड़ियाँ लीं, तो उनके चेहरे पर जो चमक आई, वह वास्तव में अविस्मरणीय थी। उनकी आँखों में प्रसन्नता का जो उजाला आया, वह मेरे लिए किसी भी बड़े उपहार से अधिक मूल्यवान था। वह क्षण मेरे लिए भी एक अद्वितीय अनुभूति लेकर आया-एक ऐसा अहसास, जिसने इस दिन को मेरे जीवन का एक सार्थक और यादगार दिन बना दिया। इस भौतिकवादी दुनिया में, जहां भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए सबमें होड़ मची हुई है, हमें थोड़ा ठहरकर, अपने आसपास के निर्धन, वंचित, उपेक्षित, और निराश्रित जनों के बारे में सोचना चाहिए और उन तक पहुँचने का प्रयास करना चाहिए जो दुखी, और हाशिए पर हैं। हमारा नैतिक दायित्व है कि हम यथा सामर्थ्य स्वयं और आने वाली पीढ़ी को साझा करने और जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए प्रेरित करें जिससे हमारे देश से ये सामाजिक विषमताएं समाप्त हों और हम सब एक साथ मिलकर एक ऐसा देश बनाएं जहां प्रेम, करुणा और सहानुभूति की भावना इतनी मजबूत हो कि हर दिल में प्यार की लौ जले, हर आत्मा में करुणा की गहराई हो और हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान की झलक हो।

लेखक : उच्च न्यायालय लखनऊ में अधिवक्ता हैं

हाइट बढ़ाने में मददगार हैं ये योगासन

छोटे कद की वजह से कई बार हमें हीन भावना का शिकार होना पड़ता है। और हमारा मनोबल कम होने लगता है। लड़कों की 20 और लड़कियों की 17 साल की उम्र तक लंबाई बढ़ती है। अगर आप को भी अपनी लंबाई बढानी है तो सबसे पहले झुक कर चलना बंद करें। गर्दन सीधी करके चले और बैठते समय रीढ़ की हड्डी सीधी रखें। इसके अलावा बचपन से ही योगासन करने आरंभ कर दे। जो थाइरॉइड गरनथि कद बढ़ाने में मदद् करती है। इस लिए गले की मालिश उपर की तरफ करें। इस के साथ साथ खाने में पौष्टिक आहार ले। कैल्शियम और आयोडीन युक्त आहार कद बढ़ाने में मदद् करते हैं। जैसे कि दूध, पनीर, सिंघाडा, समुन्दर नमक, तिल, मूंगफली, सोयाबीन, दाल , पत्तेदार सब्जियां और मौसमी फल , बांस का मुरबबा। कद लंबा करनें में खेलों का विशेष महत्व है । अश्वगंधा, चंद्रसूर दोनो को ही आयुर्वेद में शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण जडीबूटी माना गया है।

धनुरासन

धनुरासन योग के सबसे जरूरी आसनों में से एक है, यह शरीर को लचीला बनाने, रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने और पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। हालांकि, यह अक्सर महिलाओं के लिए ज्यादा लोकप्रिय माना जाता है, लेकिन हकीकत में पुरुषों के लिए भी इसके फायदे काफी जरूरी होते हैं। इसके अलावा यह हाइट बढ़ाने में भी मदद करता है। धनुरासन अंगों के दबाव को बढ़ाकर पाचन में सुधार करता है, कब्ज और अपच को कम करता है। यह आसन फेफड़ों को खोलकर श्वास क्षमता को बढ़ाता है, जो ऑक्सीजन के अवशोषण में सहायता करता है। धनुरासन हृदय गति को बढ़ाकर रक्त प्रवाह को सुधारता है, जो हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद है। यह आसन शरीर के अलग-अलग मांसपेशियों को खींचकर लचीलापन बढ़ाता है, जो चोट के बाद होने वाले अंदरूनी डैमेज से आपको बचा सकता है।

ताड़ासन

ताड़ासन शक्तिशाली आसन है, जो गलत पोस्चर और रीढ़ की हड्डी की खराबी को ठीक करने में मदद करता है। इसके अलावा हाइट भी बढ़ाने में मदद करता है। यह आसन स्पाइनल कर्व को प्रोत्साहित करता है और कोर मसल्स को मजबूत बनाता है। हाथ उठाकर सांस अंदर लें। अपने पैर के पंजों पर कुछ समय के लिए खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को मिलाएं और अपने शरीर को ऊपर की तरफ खींचें। कुछ देर उसी अवस्था में रहें। फिर सांस बाहर छोड़ें और दोनों पैर के पंजों को सामान्य अवस्था में ले आएं।

सूर्य नमस्कार

योगासन में सबसे जरूरी सूर्य नमस्कार को माना जा सकता है। सूर्य नमस्कार 12 आसनों का एक सीक्वेंस है। इसका सही तरीके से अभ्यास करने से पेट की चर्बी कम होती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके लगातार अभ्यास से मेंटल हेल्थ को भी मजबूती मिल सकती है। इससे हाइट में भी सुधार होता है। सूर्य नमस्कार कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस को बेहतर बनाने में भी योगदान कर सकता है। सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने से रोज करीब 13-17 कैलोरी बर्न की जा सकती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है। सूर्य नमस्कार के साथ अच्छी डाइट और बेहतर लाइफस्टाइल को फॉलो किया जाए, तो आपको मनमुताबिक रिजल्ट मिल सकता है। अगर आप योगाभ्यास की शुरुआत कर रहे हैं, तो शुरू में प्रतिदिन सूर्य नमस्कार के 5-10 चक्र का अभ्यास करना चाहिए। धीरे-धीरे आप इस प्रैक्टिस को बढ़ाते जाएं और इससे आपको फायदे मिलना शुरू हो जाएंगे। कई स्टडी में भी सूर्य नमस्कार के फायदों पर मुहर लग चुकी है।

भुजंगासन

पीठ की मांसपेशियों का बल लगाते हुए आप कंधे भी उठाएं। हथेलियों पर थोड़ा दबाव रखते हुए छाती और नाभि तक का भार उठाएं। हर स्थिति में नाभि को जमीन से 30 सेंटीमीटर ही ऊपर उठाना चाहिए। ज्यादा नहीं, अन्यथा कमर भी उठ जाएगी। इस स्थिति में कोहनी सीधी नहीं होगी। इसके बाद आकाश की ओर देखें। इस अवस्था में सांस रोंके। कमर के निचले भाग पर खिंचाव आएगा, जिसे आप महसूस कर पाएंगे। इस स्थिति में 3-4 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं। इसके साथ ही अपने डाइट चार्ट में ज्यादा से ज्यादा फल और मेवे शामिल करें। इससे कद बढ़ने लगेगा।

हंसना मना है

बुढ़िया का दामाद बहुत काला था, सास: दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको, दूध, दही खाओ मौज करो, आराम से रहो यहां, दामाद- अरे वाह सासु मां आज तो बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे, सास: अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे, वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया है, कम से कम तुम्हें देख कर दूध तो देती रहेगी।

गर्ल- क्या कर रहे हो? बॉय- मक्खियां मार रहा हुं, गर्ल- कितनी मारी? बॉय- 3 मेल और 2 फीमेल, गर्ल- कैसे मालुम? बॉय- क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है और बीवी चूहे से डरती है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता, पत्नी- रोज रोज ये क्या करते रहते हो? पति- चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहा करो।

संजू- पापा मुझे स्कुल छोड़ने आप क्यों आते हो? मेरे सभी दोस्तों को छोड़ने तो उनकी मम्मी आती है, पापा- बस इसीलिए बेटा।

कहानी — भूखा राजा और गरीब किसान

एक राजा अपने राज्य में रात को अपना रूप बदलकर घूमता था। लोगों से मिलकर राजा के बारे में जानने की कोशिश करता और उनकी समस्याओं को समझता था। एक रात अचानक जोर से बारिश होने लगी। उसने देर किए बिना एक गरीब के घर का दरवाजा खटखटाया। एक गरीब किसान बाहर निकला जो जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। बारिश तेज थी, तो किसान ने राजा को अंदर आने के लिए कहा। राजा ने घर में जाने के बाद पूछा, 'क्या आप मुझे कुछ खिला सकते हैं। मुझे बहुत तेज भूख लगी है।' वो गरीब किसान और उसका परिवार 3 दिनों से भूखा था और उसके घर में एक भी दाना अन्न का नहीं था। किसान के मन में हुआ कि भले ही हम भूखे हैं, लेकिन अपने अतिथि को यूं भूखा नहीं रख सकते। अब किसान ये सोचकर बेचैन हो गया कि अपने अतिथि का पेट कैसे भरा जाए, तभी उसने घर के सामने वाली दुकान से चावल चुराने की तरकीब सोची। उसने सिर्फ अतिथि के लिए ही दो मुट्ठी चावल लिया और उसे पकाकर राजा को खिला दिया। तब तक बारिश रुक गई थी और राजा अपने घर चला गया। दूसरे दिन दुकान का मालिक अनाज की चोरी की शिकायत लेकर राजा के पास पहुंचा। राजा ने दुकान के मालिक और उस गरीब किसान को अपनी सभा में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। सबसे पहले सभा में पहुंचे किसान ने राजा के सामने जाकर अपनी चोरी का इल्जाम कबूल कर लिया। किसान राजा से कहता है कि मैंने चोरी की, लेकिन मेरे परिवार ने उस अनाज का एक निवाला भी नहीं खाया। गरीब किसान की बातें सुनकर राजा बहुत दुखी हुआ और उसने किसान को बताया कि अतिथि के रूप में मैं स्वयं तुम्हारे घर आया था। इसके बाद राजा ने सभा में पहुंचे दुकानदार से पूछा कि क्या आपने अपने पड़ोसी को चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार ने जवाब दिया कि हां मैंने इसे रात में चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार की बात सुनने के बाद राजा कहता है कि इस चोरी के लिए मैं पहले जिम्मेदार हूं और फिर दूसरा तुम हो, क्योंकि तुमने अपने पड़ोसी को अनाज की चोरी करते हुए देखा। मगर कभी उसके भूखे परिवार को नहीं देखा। तुम अपने पड़ोसी होने का धर्म बिल्कुल निभा नहीं पाए। इतना कहने के बाद राजा ने दुकानदार को सभा से जाने के लिए कह दिया और किसान की अथिति निष्ठा भाव को देखकर उसे एक हजार सोने के सिक्के इनाम के रूप में दे दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगेल लेकिन हानि नहीं पहुंचा पाएंगे। आज घर-बाहर चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृषभ — यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे।

मिथुन — कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है।

कर्क — राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें।

सिंह — चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे।

कन्या — कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी।

वृश्चिक — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे।

धनु — दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे।

मकर — मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धनागम के अवसर बढ़ेंगे।

कुम्भ — भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।

मीन — यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। नम्रता बनाए रखें।

फैन फालोइंग देखकर कास्ट किया जाता है फिल्मों में : सबा आजाद

सबा आजाद अपनी नई सीरीज 'क्राइम बीट' को लेकर काफी खुश हैं। इसमें उन्हें एक चैलेंजिंग रोल करने को मिला है। वह सीरीज में एक जर्नलिस्ट के रोल में हैं, जो क्राइम को लेकर खबरें लिखती हैं, खबर की तह तक जाती है। इस सीरीज में उनके साथ एक्टर साकिब सलीम भी हैं, वह भी एक पत्रकार के रोल में हैं। हाल ही में इस सीरीज से जुड़े एक इंटरव्यू के दौरान सबा आजाद ने सोशल मीडिया को लेकर भी बात की। इसका असर एक्टर के करियर पर कैसा हो रहा है, इस बारे में बताया। सबा आजाद कहती हैं, 'मेरा सोशल मीडिया के साथ लव-हेट वाला रिलेशनशिप है। मैं पहले लगातार पोस्ट करती थी, फिर अचानक हफ्तों तक कोई पोस्ट नहीं करती थी।' आगे सबा आजाद यह भी बताती हैं कि अब कई लोग, इंफ्लुएंसर को देखते हैं, उनकी फैन फॉलोइंग को देखते हैं और किसी प्रोजेक्ट में कास्ट कर लेते हैं।

ऋतिक से अफेयर को लेकर चर्चा

सबा आजाद और ऋतिक रोशन लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। सबा की बॉन्डिंग ऋतिक के परिवार, उनके बच्चों (पूर्व पत्नी सुजैन से हुए बच्चे) से भी काफी अच्छी है। वह ऋतिक के फैमिली फंक्शन में भी दिखती हैं। लेकिन सबा और ऋतिक कब शादी करेंगे, इस बारे में अभी कोई खबर नहीं है।

सबा आजाद यह बताना भी नहीं भूलती हैं कि उनको भी सोशल मीडिया के जरिए ही कई ब्रांड डील्स मिली है। लेकिन फिर भी वह कहती हैं कि इस प्लेटफॉर्म के अपने फायदे होने के साथ नुकसान भी हैं। हमें संभलकर इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

सबा आजाद का कहना है कि लोगों को रील और रियल लाइफ का फर्क भी पता होना चाहिए। फोन के बाहर भी एक दुनिया है, उस पर भी ध्यान देना चाहिए। तभी लोग जमीन से जुड़े रह पाएंगे। सबा आजाद सीरीज 'क्राइम बीट' के अलावा कई और प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा बन रही हैं। इस साल वह अनुराग कश्यप की एक अनाम फिल्म का हिस्सा बन रही हैं। वहीं 'सॉन्ग ऑफ पैराडाइज' नाम का एक प्रोजेक्ट भी कर रही हैं। एक्टिंग के अलावा सबा आजाद बतौर सिंगर भी एक्टिव रहती हैं।

बॉलीवुड | **मन की बात**

मुझे बड़े पर्दे पर फिल्में देखना पसंद है : अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप ने सिनेमा के प्रति को दिखाया है। निर्माता अनुराग कश्यप ने कहा कि जब चीजें खराब हो जाती हैं, तो वे खुद को याद दिलाते हैं कि वे कहां से आए हैं। अनुराग ने यह भी कहा कि उनके पास आज इंडस्ट्री में काम कर रहे, कई स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं की तुलना में अधिक विशेषाधिकार हैं और यही वह चीज है जिस पर वे अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं के बजाय ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इन दिनों दर्शक बड़े बजट की फिल्मों को देखना पसंद करते हैं, इस बीच वे स्ट्रीमिंग पर आने वाली छोटी फिल्मों का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भविष्य की ओर देखना बंद कर दिया है। अब मैं उन चीजों पर बात करना चाहता हूं, जिस पर बात करना लोगों ने बंद कर दिया है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था क्योंकि मुझे बड़े पर्दे पर फिल्में देखना पसंद है। अनुराग कश्यप ने कहा कि मैं घर पर जो रुकावटें आती हैं, उसके कारण घर पर फिल्में देखना पसंद नहीं करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे सिनेमा में ही फिल्म देखने में मजा आता है। अनुराग कश्यप ने कहा, क्या होगा अगर सब कुछ खराब हो जाए। अगर मेरा सारा काम गलत हो जाए। मैं जहां से आया हूं, वहीं चला जाऊंगा। मैं सिनेमा से बहुत प्यार करता हूं। अन्य निर्माताओं के साथ तुलना किए जाने पर अनुराग कश्यप ने कहा कि मेरी अन्य निर्देशकों के साथ तुलना क्यों की जाती है। मुझे एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता क्यों नहीं माना जाता। बता दें कि निर्माता अनुराग कश्यप की कन्नड़ फिल्म टाइगर्स पॉन्ड बर्निल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई।

अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई 'डाकू महाराज'

नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज के ओटीटी पर रिलीज होने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ये फिल्म 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ओटीटी पर भी दस्तक दे चुकी है। डाकू महाराज आर नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में रिलीज हुई है। फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने से कई खबरे आ रही थीं कि ओटीटी वर्जन से उर्वशी रौतेला के सीन हटा दिए गए हैं। इस पर उर्वशी ने चुप्पी साधी हुई थी। अब फिल्म रिलीज हो गई है और इस अफवाह पर विराम लग गया है। बता दें नेटफ्लिक्स वर्जन से उर्वशी रौतेला का एक भी सीन डिलीट नहीं हुआ है। उनका गाना दबिडी दिब्बी भी वैसा ही है जैसा रिलीज हुआ था। उर्वशी के सीन्स डिलीट होने की अफवाह तब शुरू हुई थी जब नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म के ओटीटी रिलीज की अनाउंसमेंट की थी और उसमें उर्वशी रौतेला नजर नहीं आई थीं।

नेटफ्लिक्स ने डाकू महाराज का सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर किया था। जिसमें उर्वशी नहीं थी। हालांकि जब उर्वशी को लेकर अफवाह उड़ने लगी तो नेटफ्लिक्स ने एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें एक्ट्रेस की कई सारी फोटोज थी। अब भी नेटफ्लिक्स ने एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें लिखा है- डाकू महाराज आ गए हैं। तूफ़ान शुरू हो गया है। डाकू महाराज को अब नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में देखें!

एक एक्शन ड्रामा फिल्म है जिसे बॉबी कोल्ली ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण के साथ उर्वशी रौतेला, बॉबी देओल, प्रज्ञा जयसवाल अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की है। अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी ये फिल्म लोगों का दिल जीत रही है।

जब अमेरिकी सेना के अफसर को भारत में एक ठेले की तलाश में भटकना पड़ा!

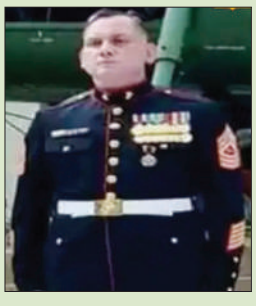

कोई शख्स जो अमेरिका की सेना में बड़े ओहदे पर काम कर चुका हो, जिसने दो-दो बार इराक युद्ध में हिस्सा लिया हो और जिसने दुनिया के 25 से ज्यादा देशों की यात्रा की हो, वो अचानक एक मामूली से ठेले को ढूंढने निकल पड़े। जी हां, यही कहानी है अहमद डेनियल बर्थीन की, जो अपनी मां और भाई-बहनों के साथ हाल ही में कुनूर पहुंचे थे। तमिलनाडु की कूनूर की गलियों में चलते हुए अहमद की यादें 29 साल पीछे चली गईं। उन्हें याद आया कि स्कूल के बाद जब वे माउंट प्लेजेंट ट्यूशन सेंटर जाते थे, तो वीपी स्ट्रीट की एक दुकान से अंडा पकोड़ा खरीदते थे। बस का किराया बचाकर पैदल चलने का मकसद भी यही था—अंडा पकोड़े का वो स्वाद, जो किसी जादू से कम नहीं था। अब इतने सालों बाद जब वे फिर से कूनूर पहुंचे, तो उनके मन में वही स्वाद ताजा हो गया, लेकिन सवाल था—क्या वो दुकान अब भी है? क्या वही पकोड़ा अब भी बनता है? खोजबीन शुरू हुई और आखिरकार उषा फ्रेंकलिन के जरिए अहमद को उस अंडा पकोड़ा बनाने वाले शांता और चंद्रन मिल ही गए।

फिर क्या था! अहमद ने उनसे वही 29 साल पुराना अंडा पकोड़ा बनाने की गुजारिश की। चंद्रन ने अपने पुराने अंदाज में पकोड़े तले और अहमद ने पहला कौर मुंह में डालते ही मुस्कुराकर कहा—आज भी वही स्वाद! ऐसा लगा मानो समय वहीं ठहर गया हो। इस मुलाकात में सिर्फ स्वाद नहीं, यादों की खुशबू भी घुली थी। अहमद ने बताया कि भले ही अब वे करोड़ों रुपये कमाते हैं, लेकिन स्कूल के दिनों का वो अंडा पकोड़ा आज भी उनके लिए अनमोल है। उन्होंने यह भी कहा कि जितना प्यार भारत में है, उतना कहीं नहीं देखा। कूनूर उनके लिए सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यादों का खज़ाना है। अहमद ने स्टेंस स्कूल के छात्रों से भी मुलाकात की और उन्हें अपने अनुभव बताए और फिर, उस मिट्टी की खुशबू दिल में बसाए, वे आगे की यात्रा पर निकल पड़े।

अजब-गजब | **इस समुदाय में शादी करने की है गजब परंपरा**

छत्तीसगढ़ के बैगा आदिवासी समुदाय में बकरे की बली के बाद तय होती है शादी

रमज़ान खान/अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में मांझी जनजाति के लोगों में सरना पूजा होता है खासकर मांझी जनजाति के लोग आज के दिन गौरा गौरी महादेव की पूजा अपने अनोखे अंदाज में देव स्थल सरना में जाकर करते हैं। इसके बाद से ही मांझी समुदाय में शादी विवाह का मुहूर्त शुरू हो जाता है यह परंपरा बहुत पुरानी है। मांझी समाज आज भी इस अनूठे परंपरा की पुरानी संस्कृतियों को संजोए हुए है। आज सरगुजा अंचल में रहने वाले हर मांझी समुदाय आदिवासी जनजाति के लोगों के द्वारा अपने देव स्थल सरना में पूजा किया जाता है। बैगा आदिवासियों के द्वारा गौरा गौरी महादेव की पूजा पाठ किया गया। इस पारंपरिक पूजा के बाद मांझी समुदाय में शादी विवाह का लगन शुरू हो गया सरना देव स्थल में बैगा आदिवासियों के द्वारा बकरा चढ़ाया जाता है। बाद में देव स्थल की मिट्टी या तलाब की मिट्टी को लगाकर मिट्टी के महादेव पार्वती जैसा स्वरूप बनाकर गांव में ढोल बाजे के साथ लोग तालाब की मिट्टी में लगाकर सरना में जमकर जश्न मनाते हैं।

यह परंपरा सरगुजा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पुरानी रीत को आज के इस आधुनिक युग में बचाकर रखा गया है, जहां सरना पूजा के बाद कीचड़ में नाचकर शादी विवाह में भी बारातियों का स्वागत करते हैं। जिसे देखने के लिए गांवों में लोगों की भीड़ उमड़ती है। वहीं इस पुरानी परंपरा को लेकर जब आदिवासी समाज के बंधन नाग मांझी से इस पूजा के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि इस पूजा के बाद से ही उनके (मांझी समाज) आदीवासी मांझी समाज में शादी विवाह की शुरुआत हो जाती है। वहीं उन्होंने आगे बताया कि सराना पूजा न सिर्फ उनके समाज में शादी विवाद शुरू होता है बल्कि इसके साथ ही उनके वहाँ और भी पारंपरिक शुभ कार्य शुरू हो जाता है।

अडानी समूह मप्र में करेगा एक लाख दस हजार करोड़ का निवेश

ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र में 1.2 लाख नौकरियां होंगी सृजित

» ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने की घोषणा

» स्मार्ट सिटी, एयरपोर्ट और कोल गैसीफिकेशन परियोजनाओं में 1 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अडानी ग्रुप ने घोषणा की है कि वह मध्य प्रदेश में 1,10,000 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश करेगा। यह निवेश पंप्ड स्टोरेज, सीमेंट, खनन, स्मार्ट मीटर और थर्मल एनर्जी क्षेत्रों में किया जाएगा, जिससे 2030 तक 1,20,000 से अधिक नौकरियां सृजित होंगी। भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 को संबोधित करते हुए अडानी ग्रुप के चेयरमैन, गौतम अडानी ने राज्य में समूह की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश भारत के सबसे निवेश-योग्य राज्यों में से एक बन चुका है।

मप्र औद्योगिक और आर्थिक विकास में राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा: अडानी

इस समिट में उद्योग जगत के नेता, नीति-निर्माता और वैश्विक निवेशक शामिल हुए। इसका उद्देश्य नए आर्थिक अवसरों पर चर्चा करना और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना है। ये केवल निवेश नहीं हैं, बल्कि यह एक साझा यात्रा के मील के पत्थर हैं। एक ऐसी यात्रा जो मध्य प्रदेश को औद्योगिक और आर्थिक विकास में राष्ट्रीय नेतृत्व दिलाएगी। यह हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गहरे विश्वास और इस राज्य की असाधारण प्रगति के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अडानी ग्रुप पहले ही 50,000 करोड़ रुपये का निवेश कर चुका है, जिससे 25,000 से अधिक नौकरियां बनी हैं। नया निवेश राज्य के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करेगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत और नवाचार के लक्ष्य को बढ़ावा मिलेगा। 1,00,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश पर चर्चा जारी है, जिसमें शामिल होंगे-ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट,बड़ा एयरपोर्ट प्रोजेक्ट, कोल गैसीफिकेशन परियोजना।

मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का शुभारंभ

राज्य में बड़ी संख्या में रोजगार होंगे उत्पन्न

अडानी ग्रुप राज्य की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इन निवेशों से बड़ी संख्या में रोजगार उत्पन्न होंगे, कनेक्टिविटी बढ़ेगी और मध्य प्रदेश को एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा। वहीं इस महीने की शुरुआत में, अपने बेटे जीत अडानी की शादी के अवसर पर, गौतम अडानी ने 10,000 करोड़ रुपये दान करने की घोषणा की। यह धनराशि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास के क्षेत्र में गरीबों के लिए सुलभ और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण पर खर्च की जाएगी।

अडानी के दृष्टिकोण से मध्य प्रदेश की प्रगति को मिलेगी नई दिशा : मोहन यादव

एमपी के सीएम मोहन यादव ने कहा है कि गौतम के विचार और दृष्टिकोण से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और राज्य की प्रगति को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री यादव ने अडानीसमूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के भोपाल पहुंचने पर स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में लिखा प्रसिद्ध उद्योगपति गौतम अडानी का भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में स्वागत है। आपके आगमन से मध्य प्रदेश में निश्चित ही निवेश और विकास के नए द्वार खुलेंगे। साथ ही आपके विचार और दृष्टिकोण से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और राज्य की प्रगति को नई दिशा भी मिलेगी।

ईरान ने खाई कसम, इजरायल को करेंगे खत्म

» हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह को नम आखों से दी अंतिम विदाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के अंतिम संस्कार के दिन इजरायल के खिलाफ प्रतिरोध जारी रखने की कसम खाई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खामेनेई ने कहा कि प्रतिरोध तब तक जारी रहेगा जब तक कि वांछित लक्ष्य हासिल नहीं हो जाता। इजरायल का नाम लिए बिना बयान में कहा गया, दुश्मन को पता होना चाहिए कि अतिक्रमण, उत्पीड़न और अहंकार के खिलाफ प्रतिरोध खत्म नहीं हुआ है।

नसरल्लाह और उनके उत्तराधिकारी हाशम सफीद्दीन के अंतिम संस्कार में शामिल काले कपड़े पहने हजारों लोगों ने हिजबुल्लाह के प्रति समर्थन जताया। सफीद्दीनन पदभार ग्रहण करने से पहले ही एक अन्य इजरायली हमले में मारे गए थे। नसरल्लाह और सफीदीन का अंतिम संस्कार स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:00 बजे बेरूत के बाहरी इलाके में स्थित कैमिली चामून स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में शुरू हुआ। नसरल्लाह और सफीनदीन के ताबूतों को ले जा रहा एक काला ट्रक जब धीरे-धीरे भीड़ के बीच से गुजर रहा था तो महिलाएं विलाप कर रही थीं।

कलोत्सव 2025 का हुआ भव्य समापन

» छात्रों की रचनात्मकता से मंत्रमुग्ध हुए गणमान्य अतिथि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूनिटी वेदा एनिमेशन कालेज के कलोत्सव 2025 का भव्य समापन शनिवार को हुआ। छात्रों की कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन देखकर उपस्थित गणमान्य अतिथि मंत्रमुग्ध हो गए। समापन समारोह में छात्रों ने अपनी कलाकृतियों और वर्क रीलों की एक शानदार प्रदर्शनी लगाई, जिसमें उनके द्वारा बनाए गए एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेम डिजाइन और अन्य रचनात्मक परियोजनाओं के उत्कृष्ट नमूने शामिल थे। छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और उपस्थित आगंतुकों को अपने कार्यों से प्रभावित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रद्धा शुक्ला, निदेशक, राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश सरकार ने छात्रों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा, छात्रों का काम उत्कृष्ट है। उनकी मेहनत और लगन स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वे वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है। उनके साथ जयंत मेहरा, पोस्ट प्रोडक्शन हेड, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, उत्तर प्रदेश, शमीम अहमद, हेड, टू फॉर्म गेम्स, मोहित कपूर, हेड, एरा मेडिकल स्टूडियोज, डॉ. पार्थ प्रतिम, शैज़ी, एचआर, मेराज, सामाजिक कार्यकर्ता और कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उपस्थित अतिथियों ने छात्रों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें उद्योग में सफल होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को अपने कौशल को लगातार विकसित करने और नए अवसरों का लाभ उठाने की सलाह दी। कलोत्सव 2025 रचनात्मकता और प्रतिभा का एक सप्ताह उत्सव था, जिसने छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उद्योग के दिग्गजों से सीखने का एक अनूठा मंच प्रदान किया।

भारत ने पाक को चैंपियंस ट्रॉफी से किया बाहर!

2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हार का लिया बदला

» भारत ने सेमीफाइनल के लिए किया क्वालीफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर सिमट गई थी। जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में अब दो मैच जीत लिए हैं और सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। वहीं, पाकिस्तान की टीम लगभग चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गई है। उसे अब अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

भारत के दो मैचों के बाद चार अंक हैं, जबकि पाकिस्तान दो मैचों में खाता नहीं खोल सका है। अब पाकिस्तान का एकमात्र मैच बांग्लादेश के खिलाफ है। वहीं, अगर बांग्लादेश से कीवी टीम जीतती है, तो बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों बाहर हो जाएंगे। बता दें 242 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। रोहित 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी निभाई। गिल 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कोहली को श्रेयर का साथ मिला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी निभाई। अय्यर 56 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कोहली ने अक्षर के साथ टीम इंडिया को जीत दिलाई। इससे पहले पाकिस्तान को बाबर आजम और इमाम उल हक ने सधी हुई शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 41 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद सऊद शकील और कप्तान मोहम्मद रिजवान ने पारी संभाली। लेकिन इसके बाद कोईभी बल्लेबाज नहीं चल सका।

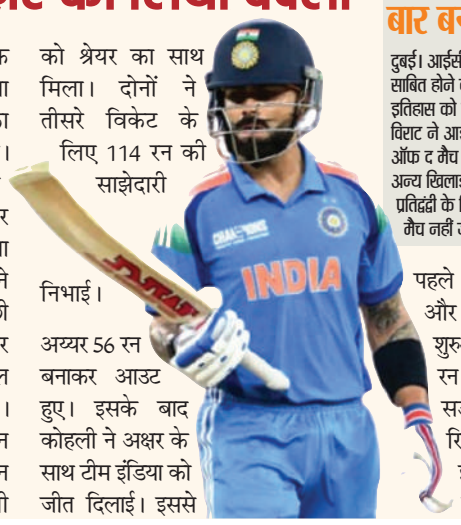

विराट पाक के खिलाफ 5वीं बार बने प्लेयर ऑफ द मैच

दुबई। आईसीसी टूर्नामेंटों में पाकिस्तान पर कहर साबित होने वाले विराट कोहली ने एक बार फिर इतिहास को दोहराते हुए नाबाद शतक जड़ दिया। विराट ने आईसीसी टूर्नामेंट्स में पांचवीं बार प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता। विराट के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी ने आईसीसी टूर्नामेंट में एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ तीन से अधिक प्लेयर ऑफ द मैच नहीं जीते हैं।

दिल्ली के खजाने पर गरमाई सियासत

भाजपा और आप में आरोप-प्रत्यारोप हुआ शुरू

» सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- सरकार का खजाना खाली

» पूर्व मुख्यमंत्री का दावा- बहाना बना रही भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा सरकार के साथ आप का टकराव फिर दिखने लगा है। दोनों पार्टियों के नेताओं में जुबानी जंग जारी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का खजाना खाली है। पिछली सरकार खजाना खाली छोड़कर गई है, लेकिन हम महिलाओं को 2500 रुपये जरूर देंगे। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा खजाना खाली होने का बहाना न बनाए। दिल्ली वालों से किए गए वादे पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आप की पूर्व सरकार खजाना खाली छोड़कर गई है। हम चार दिनों से अलग-अलग चरणों में कई बैठकें कर रहे हैं। जब अधिकारियों के साथ बैठते हैं और सरकार की मौजूदा वित्तीय स्थिति की जांच करते हैं, तो पता चलता है कि पिछली सरकार की ओर से छोड़ी गई स्थिति के कारण खजाना पूरी तरह से खाली है।

इसके बावजूद हम महिलाओं को सम्मान राशि जरूर देंगे। 1000 फीसदी इस वादे को पूरा करेंगे। ढाई हजार रुपये मासिक भुगतान को विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा। इस योजना को लागू करने के लिए अधिकारियों से कई बैठकें हुई हैं। मुख्यमंत्री ने आप और कांग्रेस पर दिल्ली के लोगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने 15 साल तक दिल्ली पर शासन किया। इसके बाद आप 11 साल तक सत्ता में रही। इसके बावजूद उन्होंने कभी दिल्ली के लोगों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया। भाजपा के सत्ता में आने के एक दिन बाद ही, उन्होंने हमारी सरकार पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। सच्चाई यह है कि विपक्ष कैग रिपोर्ट से डरा हुआ है। विपक्ष भाजपा सरकार की पारदर्शिता से डरता है। वे डरे हुए हैं, क्योंकि पहले विधानसभा सत्र में ऐसी रिपोर्ट पेश करेंगे जो पहले कभी पेश नहीं की गई। पिछली सरकार के कामों की सच्चाई लोगों के सामने आ जाएगी।

विपक्ष कैग रिपोर्ट से डरा हुआ है: रेखा गुप्ता

सीएम रेखा गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने ली शपथ

दिल्ली विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने शपथ ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद लवली दिल्ली विधानसभा पहुंचे। जहां वे स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराएंगे। चुनाव संपन्न होने के बाद नवनिर्वाचित स्पीकर और डिप्टी स्पीकर को भी शपथ दिलाई जाएगी। फिलहाल विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ ले रहे हैं।

विस के इतिहास में पहली बार सत्ता और विपक्ष में शीर्ष पदों पर दो महिलाएं विराजमान

नई दिल्ली। दिल्ली में इसबार राजनीति के कई रंग देखने को मिलेंगे। विधानसभा के इतिहास में पहली बार सत्ता पक्ष और विपक्ष में शीर्ष पदों पर दो महिलाएं विराजमान हुई। इससे पहले केवल मुख्यमंत्री पद पर महिला रही थी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष पर पहली बार महिला की नियुक्ति हुई है। भाजपा ने पहली बार विधानसभा में पहुंची रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना है, जबकि आम आदमी पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में नियुक्त किया है।विधानसभा में वर्ष 1993 से 1998 तक भाजपा ने मदनलाल खुराना, साहिब सिंह और चुनाव से कुछ माह पहले सुषमा स्वराज को मुख्यमंत्री बनाया था। सुषमा स्वराज दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी थी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस विधायक जगप्रवेश चंद्र रहे थे। वहीं वर्ष 1998 में सत्ता परिवर्तन होने के बाद कांग्रेस ने शीला दीक्षित को मुख्यमंत्री बनाया और वह वर्ष 2013 तक मुख्यमंत्री रही। इस दौरान विधानसभा के तीन कार्यकाल में वर्ष 1998 से 2008 तक भाजपा के प्रो. जगदीश मुखी नेता प्रतिपक्ष रहे और वर्ष 2008 से 2013 तक भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी दी।वर्ष 2013 में आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने पर उसके नेता अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बने और वह वर्ष 2024 के मध्य तक मुख्यमंत्री रहे और आप के शासन के तीसरे कार्यकाल में आप ने आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया। वहीं भाजपा ने वर्ष 2013 में डा. हर्षवर्धन, 2015 से 2020 तक विजेंद्र गुप्ता और वर्ष 2020 से 2024 तक रामवीर सिंह बिधूड़ी को नेता प्रतिपक्ष बनाया। वर्ष 2024 में उनके सांसद बनने के बाद विजेंद्र गुप्ता को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

एनजीटी ने लगाई यूपी सरकार को फटकार

» महाकुंभ में खुले में शौच पर नाराज हुआ अधिकरण

» बोली- आपकी जिम्मेदारी इसे तुरंत देखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में खुले में शौच को लेकर यूपी सरकार पर 10 करोड़ रुपये जुर्माना लगाने की मांग वाली याचिका पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी)में सुनवाई हुई। एनजीटी ने यूपी सरकार से नाराजगी जताते हुए कहा कि ये आपकी जिम्मेदारी है, इस पर आप तुरंत ध्यान दें। इस मामले में अबतक यूपी सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया है। ट्रिब्यूनल ने फिलहाल इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने एनजीटी में कहा इस मामले में हम पहले से तैयारी किए हुए हैं, जिसको लेकर हम अपना जवाब दाखिल करेंगे।

यूपी सरकार की तरफ से यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्डने कहा कि हम इस मामले में जरूरी कदम उठा रहे हैं। एनजीटी ने इस मामले में यूपी सरकार को गंभीरता से उचित कदम उठाने के निर्देश दिए और फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि हम अपना विस्तृत आदेश बाद में पारित करेंगे। याचिकाकर्ताओं ने एनजीटी में अपील कर कहा कि अधिकारियों ने दावा किया है कि उन्होंने महाकुंभ नगर में ह्युमन वेस्ट को निपटाने के लिए अनेकों अत्याधुनिक बायो-टॉयलेट्स लगाए हैं।

योगी सरकार पर 10 करोड़ का जुर्माना लगाने की मांग

याचिका के मुताबिक, लाखों श्रद्धालु और उनके परिवार पर्याप्त सुविधाओं की कमी के कारण खुले में शौच कर रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए न सिर्फ बायो-टॉयलेट्स की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, बल्कि उनकी उचित सफाई और देखरेख का भी खास ध्यान रखा जाना चाहिए इसके साथ ही यूपी सरकार पर स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल रहने के लिए 10 करोड़ रुपये का पर्यावरण जुर्माना भी लगाने की मांग की गई थी।

कानूनी पेशे पर हमला कर रही भाजपा : स्टालिन

» बोले- विधेयक को पूरी तरह से वापस ले केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक, 2025 को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विधेयक कानूनी पेशे की स्वायत्तता पर सीधा हमला है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक में तमिल के प्रति भाजपा की अरुचि स्पष्ट है, क्योंकि वह तमिलनाडु और पुडुचेरी बार काउंसिल का नाम बदलकर मद्रास बार काउंसिल करना चाहती है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु महज नाम नहीं है, यह हमारी पहचान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि 2014 से भाजपा सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर रही है। पहले एनजेएसी के माध्यम से न्यायिक नियुक्तियों को नियंत्रित करने की कोशिश करके और फिर न्यायिक नियुक्तियों और स्थानांतरण के लिए कॉलेजियम की सिफारिशों को नजरअंदाज करके।

उन्होंने कहा, अब बार काउंसिल पर नियंत्रण की बात करते हुए उसका लक्ष्य कानूनी पेशे की स्वायत्तता को खत्म कर न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करना है। उन्होंने कहा, हालांकि मसौदा विधेयक के विरूद्ध स्वत:स्फूर्त विरोध और कड़े प्रतिरोध ने केंद्र सरकार को इसे वापस लेने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन यह जो शर्त है कि इस पर पुनर्विचार किया जाएगा और नए सिरे से प्रक्रिया शुरू की जाएगी, निंदनीय है।

अधिवक्ता संशोधन विधेयक का द्रमुक कर रही है विरोध

अन्नाद्रमुक में ओपीएस के लिए कोई जगह नहीं: पलानीस्वामी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने संकेत दिया कि पार्टी से निष्कासित नेता ओ. पनीरसेल्वम (ओपीएस) की वापसी संभव नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में ओपीएस ने पार्टी में लौटने की इच्छा जताई थी। जयललिता की 77वीं जयंती के एक दिन पहले, पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में पलानीस्वामी ने कहा, कि क्या भेड़िया और भेड़ एक साथ रह सकते हैं? क्या खरपतवार और फसल एक साथ उपज का हिस्सा बन सकते हैं? क्या वफादार और गद्दार कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं? मैं आपका नहीं सुन सकता हूं। पलानीस्वामी का यह बयान ओपीएस के लिए परोक्ष प्रतिक्रिया माना जा रहा है।

मौत से जंग! 45 घंटे बाद भी सुरंग में 8 जिंदगियां

» तेलंगाना में सुरंग नहर परियोजना का निर्माणाधीन हिस्सा ढहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीसैलम सुरंग नहर परियोजना का निर्माणाधीन हिस्सा ढह जाने के कारण 8 श्रमिक अंदर ही फंसे हैं। सुरंग में फंसे श्रमिकों के रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ के साथ सेना भी जुटी है। श्रमिक करीब 14 किलोमीटर अंदर मौजूद हैं।

टनल में मजदूरों के फंसे होने के 45 घंटे से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर एजेंसियां हर तरीका आजमा रही हैं। तमाम कोशिशों के बाद भी अभी सफलता नहीं मिल पाई है। सुरंग के आखिरी 200 मीटर के हिस्से में पानी और कीचड़ भर गया है, जिससे बचाव दल को वहां तक पहुंचने में भारी कठिनाइयां हो रही है। सुरंग के अंदर भारी मशीनरी को ले जाना संभव नहीं है, इसलिए अन्य तरीकों से मलबा हटाने की कोशिश की जा रही है, बचावकर्मी मलबे में से गुजरने के लिए रबर ट्यूब और लकड़ी के तख्तों का उपयोग कर रहे हैं। मजदूरों के बचने की संभावना को लेकर मंत्री ने कहा, कि हम कुछ नहीं कह सकते। हमें उम्मीद है, लेकिन जो घटना हुई वह बहुत गंभीर थी।

हल न निकला तो किसान फिर 25 मार्च को करेंगे दिल्ली कूच

19 मार्च को केंद्र सरकार से होगी किसानों की वार्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली कूच को लेकर किसान नेताओं की शंभू बॉर्डर पर हुई बैठक के बाद सोमवार सुबह एक बार फिर दोनों पक्षों के नेताओं की बैठक हुई। बैठक के बाद किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि फिलहाल 25 फरवरी को दिल्ली कूच का फैसला टाल दिया गया है। पंधेर ने कहा कि केंद्र सरकार से पहले दो मीटिंग हो चुकी हैं। अब 19 मार्च को फिर मीटिंग है। अगर उस मीटिंग में भी कोई हल नहीं निकलता तो 25 मार्च को 101 किसानों का जत्था दिल्ली कूच करेगा।

यह फैसला किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के नेताओं की बैठक में लिया गया। फसलों पर एमएसपी समेत कई मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल और केंद्र सरकार के बीच शनिवार को चंडीगढ़ में हुई छठे दौर की बैठक भी बेनतीजा रही थी। बैठक करीब ढाई घंटे चली थी, लेकिन इसमें कोई समाधान नहीं निकला। अब अगली बैठक 19 मार्च को होगी। वहीं किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि जब तक सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी नहीं मिलती अनशन खत्म नहीं होगा। डल्लेवाल खनौरी बॉर्डर से एंबुलेंस में पहुंचे थे। पंजाब सरकार की तरफ से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, वित्त मंत्री हरपाल चीमा और लाल चंद कटारूचक्क मौजूद थे।

बैठक अच्छे माहौल में हुई : शिवराज

बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बैठक अच्छे माहौल में हुई। कुछ आंकड़े मांगे गए हैं। किसानों के पास अपने आंकड़े हैं और केंद्र सरकार के पास अपना डेटा है। दोनों आंकड़ों को मिलाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल ने अनशन खत्म करने की अपील की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।